तारा सुतारिया का स्टाइलिश नया लुक सामने आया

अभिनेत्री तारा सुतारिया ने 79वें कान फिल्म फेस्टिवल 2026 के लिए एयरपोर्ट पर अपने स्टाइलिश अंदाज से सभी का ध्यान खींचा है. चारकोल ग्रे ओवरसाइज्ड पिनस्ट्राइप पैंटसूट, चौड़े कंधों वाला ब्लेजर और सफेद टाई-नेक ब्लाउज में तारा का लुक स्लीक और स्ट्रक्चर्ड था. उन्होंने ब्लैक सनग्लासेस और डायोर के क्विल्टेड हैंडबैग के साथ अपने आउटफिट को पूरा किया, जिससे उनका लुक बॉसी और फैशनेबल लग रहा था.

इससे पहले, आलिया भट्ट कान फिल्म फेस्टिवल के लिए नीस एयरपोर्ट पर काले फॉर्मल आउटफिट में नजर आई थीं. इस साल कान में आलिया भट्ट, तारा सुतारिया, ऐश्वर्या राय बच्चन, अदिति राव हैदरी, मौनी रॉय और करण जौहर जैसी भारतीय हस्तियां शामिल होने की संभावना है.

वर्कफ्रंट पर तारा सुतारिया यश स्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी. गीतु मोहनदास निर्देशित यह फिल्म 1940-1970 के गोवा पर आधारित है. इसमें यश, कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत प्रमुख भूमिकाओं में हैं. फिल्म की नई रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई है, लेकिन इसका फर्स्ट लुक पोस्टर पहले ही जारी हो चुका है.

लकड़बग्घा 2 की कान्स में स्क्रीनिंग

अभिनेता-निर्देशक अंशुमन झा की बहुप्रतीक्षित फिल्म लकड़बग्घा 2: द मंकी बिज़नेस का कान्स फिल्म फेस्टिवल के मार्चे डू फिल्म मार्केट में एक्सक्लूसिव स्क्रीनिंग होग.

यह फिल्म इस साल अपनी आधिकारिक वर्ल्ड प्रीमियर से पहले इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन की तैयारी कर रही है. इस फिल्म को जर्मन प्रोडक्शन कंपनी वेबफिल्मलैंड प्रोडक्शंस सपोर्ट कर रही है और यह कान्स में मौजूद चुनिंदा एशियन एक्शन फिल्मों में से एक है. अंशुमन झा के निर्देशन में बनी यह दूसरी फिल्म दुनिया की पहली एनिमल-लवर विजिलांटे फ्रेंचाइज़ी के तौर पर पेश की जा रही है.

फिल्म 'राजा शिवाजी' ने पार किए 70 करोड़

रितेश देशमुख की फिल्म 'राजा शिवाजी' बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है. रिलीज के 11वें दिन भी फिल्म की कमाई की रफ्तार थमती नजर नहीं आई और इसने 70 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया. मराठी और हिंदी दोनों भाषाओं में रिलीज हुई इस पीरियड ड्रामा को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है. खासतौर पर मराठी वर्जन में फिल्म को बेहतरीन रिस्पॉन्स मिला है, जिसने इसे मराठी सिनेमा की तीसरी सबसे बड़ी फिल्म बना दिया है.

1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'राजा शिवाजी' ने शुरुआती दिन से ही दमदार कमाई शुरू कर दी थी. ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे सोमवार यानी 11वें दिन 2.40 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. इसके साथ ही भारत में फिल्म की कुल नेट कमाई 70.65 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है, जबकि ग्रॉस कलेक्शन 83.80 करोड़ रुपये हो चुका है.

फिल्म का दूसरा वीकेंड भी काफी मजबूत रहा. शुक्रवार को फिल्म ने 3.20 करोड़, शनिवार को 5.60 करोड़ और रविवार को 6.80 करोड़ रुपये की कमाई की.

इससे पहले पहले हफ्ते में ही फिल्म 52.65 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार कर चुकी थी. 11.35 करोड़ की ओपनिंग लेने वाली इस फिल्म ने पहले रविवार तक ही बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी.

फिल्म की सफलता के पीछे इसकी भव्य प्रस्तुति, दमदार कहानी और स्टारकास्ट का बड़ा योगदान माना जा रहा है. खास बात यह भी है कि फिल्म में सलमान खान का कैमियो दर्शकों के लिए बड़ा सरप्राइज साबित हुआ. उन्होंने जीवा महाला का किरदार निभाया है. रितेश देशमुख ने एक इंटरव्यू में बताया कि सलमान खान खुद इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहते थे और उन्होंने इस रोल के लिए खास दिलचस्पी दिखाई थी.

'राजा शिवाजी' का निर्देशन, कहानी और मुख्य भूमिका खुद रितेश देशमुख ने निभाई है. फिल्म का निर्माण जेनेलिया डिसूजा और ज्योति देशपांडे ने मुंबई फिल्म कंपनी और जियो स्टूडियोज के बैनर तले किया है. फिल्म में संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, महेश मांजरेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान और अमोल गुप्ते जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं.

'धुरंधर' के बाद अब महादेव बनेंगे रणवीर सिंह

अमिश त्रिपाठी की 'द इमॉर्टल्स ऑफ मेलुहा' पर बनेगी भव्य ट्रिलॉजी, नए अवतार में दिखेंगे एक्टर. फिल्म 'धुरंधर' की शानदार सफलता के बाद रणवीर सिंह अब अपने करियर के सबसे बड़े और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की तैयारी में जुट गए हैं.

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रणवीर जल्द ही बड़े पर्दे पर भगवान शिव यानी 'महादेव' के किरदार में नजर आ सकते हैं. बताया जा रहा है कि एक्टर ने अपने प्रोडक्शन बैनर 'मां कसम फिल्म' के तहत लेखक अमिश त्रिपाठी की चर्चित किताब 'द इमॉर्टल्स ऑफ मेलुहा' के राइट्स हासिल कर लिए हैं.

खबरों के अनुसार, रणवीर सिंह इस पौराणिक गाथा को एक भव्य सिनेमाई ट्रिलॉजी के रूप में दर्शकों के सामने लाने की तैयारी कर रहे हैं. इस मेगा प्रोजेक्ट के लिए उनकी कंपनी ने बिड़ला स्टूडियोज के साथ साझेदारी की है. फिल्म में रणवीर खुद भगवान शिव का किरदार निभाएंगे, जिसे लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है.

अमिश त्रिपाठी की शिव ट्रिलॉजी भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित सबसे लोकप्रिय बुक सीरीज में से एक मानी जाती है. 'द इमॉर्टल्स ऑफ मेलुहा' इसकी पहली किताब है, जिसमें शिव को एक आम इंसान से महादेव बनने तक की यात्रा में दिखाया गया है. ऐसे में रणवीर सिंह का यह रोल उनके करियर का सबसे अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार माना जा रहा है.

हाल ही में 'धुरंधर' में अपने दमदार एक्शन और इंटेंस रोल से रणवीर ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की थी. अब महादेव के रूप में उनका नया अवतार दर्शकों के लिए किसी बड़े सिनेमाई सरप्राइज से कम नहीं माना जा रहा. हालांकि फिल्म को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन रिपोर्ट्स ने सोशल मीडिया पर हलचल तेज कर दी है.

तृषा कृष्णन की इकलौती बॉलीवुड फिल्म बनी कल्ट क्लासिक

साउथ सिनेमा की सुपरस्टार तृषा कृष्णन ने भले ही बॉलीवुड में सिर्फ एक फिल्म की हो, लेकिन वह आज भी दर्शकों के बीच खास पहचान रखती है. साल 2010 में रिलीज हुई प्रियदर्शन निर्देशित फिल्म 'खट्टा मीठा' में तृषा कृष्णन ने बॉलीवुड डेब्यू किया था. फिल्म उस समय बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित नहीं हो पाई थी, लेकिन समय के साथ इसे कल्ट क्लासिक का दर्जा मिल गया.

इस फिल्म में तृषा कृष्णन के साथ अक्षय कुमार लीड रोल में नजर आए थे. अक्षय ने संघर्ष कर रहे ठेकेदार सचिन टिचकुले का किरदार निभाया था, जबकि तृषा उनकी पूर्व प्रेमिका के रोल में दिखाई दी थीं. फिल्म में दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था. खासकर फिल्म के कॉमिक सीन्स और अक्षय कुमार की टाइमिंग आज भी लोगों के बीच चर्चा में रहती है.

'खट्टा मीठा' एक पॉलिटिकल-कॉमेडी ड्रामा थी, जिसमें भ्रष्टाचार, सिस्टम की खामियां और आम आदमी के संघर्ष को हास्य के जरिए दिखाया गया था. रिलीज के वक्त फिल्म को मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला और यह बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ औसत प्रदर्शन कर पाई. हालांकि, बाद में टीवी टेलीकास्ट और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर फिल्म की लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई.

आज भी सोशल मीडिया पर फिल्म के कई डायलॉग और कॉमिक सीन वायरल होते रहते हैं.

एनटीआर के जन्मदिन पर रिलीज होगा 'एनटीआरनील' का पहला ग्लिम्प्स

अभिनेता एनटीआर के जन्मदिन के अवसर पर उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एनटीआरनील' का पहला ग्लिम्प्स 19 मई 2026 की आधी रात को जारी किया जाएगा. फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच लंबे समय से उत्सुकता बनी हुई है. यह फिल्म इंडस्ट्री की दो बड़ी हस्तियों, अभिनेता एनटीआर और निर्देशक प्रशांत नील को पहली बार साथ ला रही है.

मेकर्स के अनुसार, 20 मई को जन्मदिन मना रहे एनटीआर के प्रशंसकों के लिए यह खास तोहफा होगा. फिल्म में अभिनेता एनटीआरआर नए अंदाज में नजर आएंगे, जिसे लेकर फैंस में काफी उत्साह है. घोषणा के बाद से ही 'एनटीआरनील' चर्चा में बनी हुई है और दर्शक फिल्म से जुड़ी हर जानकारी का इंतजार कर रहे हैं. बड़े बजट और चर्चित कलाकारों के कारण यह फिल्म वर्ष की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल मानी जा रही है.

प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही एनटीआरनील में एनटीआर लीड रोल में नजर आएंगे. फिल्म का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स के बैनर तले किया जा रहा है.

18 मई को रिलीज होगा राम चरण की 'पेड्डी' का ट्रेलर

दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेता राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पेड्डी' का ट्रेलर 18 मई को रिलीज किया जाएगा. फिल्म का विश्व प्रीमियर तीन जून 2026 को होगा, जबकि इसे चार जून 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा.

निर्देशक बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी 'पेड्डी' को भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक माना जा रहा है. फिल्म में राम चरण के साथ जाह्नवी कपूर, शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे.

फिल्म निर्माताओं ने ट्रेलर जारी होने की जानकारी साझा करते हुए राम चरण का नया पोस्टर भी जारी किया है. पोस्टर में वह ग्रामीण अंदाज में रेलवे ट्रैक पर चलते दिखाई दे रहे हैं.

सोनी सब के 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में होगा खास एपिसोड

सोनी सब का शो पुष्पा इम्पॉसिबल दर्शकों के लिए एक खास और दिल छू लेने वाला एपिसोड लेकर आ रहा है, जिसमें ब्लॉकबस्टर गुजराती फिल्म लालो: कृष्ण सदा सहायते की स्टारकास्ट में नज़र आएगी.

बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचते हुए और पहली गुजराती फिल्म बनते हुए जिसने वैश्विक स्तर पर 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया, लालो अब टेलीविज़न पर 17 मई दोपहर एक बजे सोनी मैक्स पर प्रीमियर होगी. यह फिल्म हिंदी और गुजराती दोनों भाषाओं में उपलब्ध होगी.

आने वाले स्पेशल एपिसोड्स में, पुष्पा (करुणा पांडे) की भावनात्मक यात्रा एक आध्यात्मिक मोड़ लेती है, जब उसे 'लालो' फिल्म के कृष्ण (श्रुहद गोस्वामी) और तुलसी (रीवा रच्छ) से अप्रत्याशित सुकून और मार्गदर्शन मिलता है. मदर्स डे पर, अकेली पुष्पा अपने बच्चों को याद करते हुए कृष्ण के घर रात बिताती है. वहाँ उसकी मुलाकात एक मासूम लड़के किसना से होती है, जो उसे 'मैयाँ' कहकर पुकारता है, गरम काठियावाड़ी चाय परोसता है और अपनी बांसुरी की मधुर धुन और दिल छू लेने वाली बातों से उसके मातृत्व का सुख फिर से जगाता है. सुबह होते ही किसना रहस्यमय ढंग से गायब हो जाता है और मंदिर के उत्सव के दौरान पुष्पा को एहसास होता है कि वह वास्तव में भगवान कृष्ण थे.

कृषि जगत

अदरक की खेती से कमाई बढ़ाने के टिप्स

अदरक की खेती किसानों के लिए लाभदायक फसल साबित हो सकती है. सही समय पर बुवाई, मिट्टी और जलवायु की समझ, और उचित खेती तकनीक अपनाने से उत्पादन और आय दोनों बढ़ाई जा सकती हैं. मई का महीना अदरक की बुवाई के लिए सबसे अनुकूल माना जाता है.

इसमें हल्की दोमट मिट्टी, अच्छी नमी और पर्याप्त धूप आदर्श हैं. बुवाई से पहले बीज अदरक के टुकड़ों को 24 घंटे पानी में भिगोकर रोपण किया जाता है. रोपाई के लिए मिट्टी की दूरी और गहराई का ध्यान रखना जरूरी है. सिंचाई, खरपतवार नियंत्रण और जैविक खाद का सही इस्तेमाल फसल की गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ाता है.

कटाई आमतौर पर बुवाई के 8-10 महीने बाद होती है. यदि सही देखभाल की जाए तो अदरक की खेती किसानों को अच्छी आय दे सकती है और बाजार में इसकी मांग हमेशा बनी रहती है.

सेम की 'अर्का सुप्रिया' वैरायटी से बढ़ेगी कमाई

सेम की खेती करने वाले किसानों के लिए 'अर्का सुप्रिया' वैरायटी एक लाभकारी विकल्प के रूप में सामने आ रही है. कृषि विशेषज्ञों के अनुसार यह किस्म कम लागत में अधिक उत्पादन देने की क्षमता रखती है, जिससे किसानों की आमदनी में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो सकती है. इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि पौधे तेजी से विकसित होते हैं और फलियों की गुणवत्ता भी बाजार की मांग के अनुसार बेहतर होती है, जिसके कारण इसे अच्छी कीमत मिलती है.

यह वैरायटी गर्म और मध्यम जलवायु क्षेत्रों में अच्छी पैदावार देती है. इसके लिए हल्की दोमट और अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी सबसे उपयुक्त मानी जाती है. यदि किसान सही समय पर बुवाई करें और खेत की तैयारी वैज्ञानिक तरीके से करें, तो उत्पादन में और भी सुधार देखा जा सकता है.

'अर्का सुप्रिया' सेम की फसल में सिंचाई और खाद प्रबंधन का विशेष ध्यान रखना चाहिए. संतुलित मात्रा में जैविक और रासायनिक खाद का उपयोग करने से पौधों की वृद्धि बेहतर होती है और फलियों की संख्या भी बढ़ती है. इसके अलावा समय-समय पर निराई-गुड़ाई करने से फसल की गुणवत्ता बनी रहती है.

इस वैरायटी की एक और महत्वपूर्ण विशेषता इसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता है. यह किस्म कई सामान्य रोगों के प्रति काफी हद तक सहनशील मानी जाती है, जिससे किसानों को अतिरिक्त कीटनाशक या उपचार पर खर्च नहीं करना पड़ता. इससे कुल मिलाकर खेती की लागत कम हो जाती है और मुनाफा बढ़ जाता है.

'अर्का सुप्रिया' की फलियां लंबी, मुलायम और आकर्षक होती हैं, जो बाजार में उपभोक्ताओं द्वारा अधिक पसंद की जाती हैं.

बीज की उपलब्धता भी इस वैरायटी को और आसान बनाती है. किसान इसके बीज राष्ट्रीय बीज निगम (एनएससी) के स्टोर या विभिन्न अधिकृत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से आसानी से खरीद सकते हैं. इससे उन्हें प्रमाणित और गुणवत्तापूर्ण बीज प्राप्त करने में मदद मिलती है. यदि किसान सही समय पर बुवाई करें, उचित दूरी रखें और नियमित देखभाल करें, तो यह फसल कम समय में अच्छा उत्पादन दे सकती है.

गर्मी में पशुओं को लू से बचाएं

गर्मी का मौसम शुरू होते ही तापमान में तेज बढ़ोतरी के साथ लू चलने लगती है, जो पशुओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन जाती है. इस दौरान गाय, भैंस और अन्य दुधारू पशुओं में हीट स्ट्रोक या सन स्ट्रोक जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं, जिससे उनकी सेहत के साथ-साथ दूध उत्पादन पर भी बुरा असर पड़ता है. विशेषज्ञों के अनुसार, लू लगना तब होता है जब पशु के शरीर का तापमान सामान्य से अधिक हो जाता है और वह उसे नियंत्रित नहीं कर पाता. यदि समय रहते ध्यान न दिया जाए तो यह स्थिति जानलेवा भी हो सकती है.

गर्मी के मौसम में पशुओं की देखभाल में कुछ जरूरी बदलाव करके उन्हें लू से सुरक्षित रखा जा सकता है. सबसे पहले पशुओं को दिन के सबसे गर्म समय में धूप में न रखें और उन्हें छायादार, हवादार स्थान पर बांधना चाहिए. पशुशाला में पर्याप्त वेंटिलेशन और ठंडी हवा का प्रबंध होना बहुत जरूरी है ताकि अंदर का तापमान नियंत्रित रह सके.

इसके अलावा, पशुओं को पर्याप्त मात्रा में साफ और ठंडा पानी नियमित अंतराल पर देना चाहिए. गर्मी के दिनों में पानी की कमी से पशुओं में डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है, जिससे उनकी सेहत पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है.

गर्मी के दिनों में पशुओं को नहलाना भी एक अच्छा उपाय है. दिन में एक या दो बार ठंडे पानी से स्नान कराने से शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है और पशु को राहत मिलती है. साथ ही, पशुशाला की छत पर पानी छिड़कना या घास की परत डालना भी तापमान कम करने में मदद करता है. विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि पशुओं को किसी भी तरह के तनाव से बचाया जाए, क्योंकि तनाव की स्थिति में भी हीट स्ट्रेस बढ़ सकता है.

नेपियर घास से सालभर हरा चारा

पशुपालकों और किसानों के लिए नेपियर घास की खेती एक बेहद फायदेमंद विकल्प बनकर उभर रही है, क्योंकि इससे सालभर हरे चारे की लगातार उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है. उत्तर प्रदेश सरकार इस समय राज्य में पशुपालन को मजबूत बनाने और दूध उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से नेपियर घास, बरसीम और ज्वार जैसे चारा बीजों का बड़े पैमाने पर वितरण कर रही है.

सरकारी योजना के तहत पशुधन, दुग्ध विकास एवं मत्स्य विभाग ने प्रदेश के 75 जिलों में हरे चारे के उत्पादन को बढ़ाने का लक्ष्य रखा है. अधिकारियों के अनुसार, नेपियर घास की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी कटाई साल में लगभग 5 से 6 बार तक की जा सकती है. यही कारण है कि इसे पशुओं के लिए सालभर हरे चारे का सबसे भरोसेमंद स्रोत माना जाता है.

सरकार का मानना है कि यदि किसानों को पर्याप्त मात्रा में हरा चारा उपलब्ध हो जाता है, तो पशुपालन की लागत में काफी कमी आएगी और दूध उत्पादन में भी बढ़ोतरी होगी. इसी उद्देश्य से किसानों को नेपियर घास की रूट स्लिप्स और अन्य चारा बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं. अब तक लाखों रूट स्लिप्स प्रदेश के अलग-अलग जिलों में वितरित की जा चुकी हैं, जिससे हजारों हेक्टेयर भूमि पर इसकी खेती शुरू हो चुकी है. इसके अलावा, बरसीम और ज्वार जैसे चारा बीजों का भी वितरण किया गया है, जिससे करीब 4,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में हरे चारे की खेती होने का अनुमान है. सरकार ने इस पूरी योजना पर करोड़ों रुपये का बजट भी निर्धारित किया है, ताकि पशुपालकों को किसी प्रकार की चारे की कमी का सामना न करना पड़े.

योजना का एक अहम हिस्सा प्रशिक्षण भी है. पशुपालन विभाग किसानों और पशुपालकों को आधुनिक तकनीकों से चारा उत्पादन की ट्रेनिंग दे रहा है.

नेपियर घास की खेती किसानों के लिए कम लागत में अधिक मुनाफे का अवसर प्रदान कर रही है. यह न सिर्फ पशुपालन को लाभकारी बना रही है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देने में अहम भूमिका निभा रही है.